

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—संख्या 3—उपलब्ध

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 500] नई रिसर्वो, बृहस्पतिशार, नवंबर 23, 1972/अग्रहायण 2, 1894

No. 500] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 23, 1972/AGRAHAYANA 2, 1894

इस भाग में अलग पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 23rd November 1972

S.O. 722(E)/15/IDRA/72.—Whereas the industrial undertaking known as Messrs. Burn and Company, Limited, Calcutta, is engaged in the scheduled industries, namely, metallurgical and transportation industries;

And whereas the Central Government is of the opinion that the industrial undertaking is being managed in a manner highly detrimental to the scheduled industries concerned and to public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:

Chairman

1. Shri R. K. Sethi, Managing Director, National Industrial Development Corporation, Limited, New Delhi.

Members

2. Shri A. Bose, Special Officer and *ex-officio* Secretary, Closed and Sick Industries Department, Government of West Bengal, Calcutta.

(1971)

3. Shri Sujit Banerji, Deputy Secretary, Ministry of Steel and Mines, (Department of Steel), New Delhi.
 4. Shri S. Majumdar, Industrial Adviser, Directorate General of Technical Development, New Delhi.
 5. Shri A. S. Nangia, Chief Marketing Manager, Project and Equipment Corporation, Limited, New Delhi.
 6. Shri B. G. Roy, Technical Adviser, Industrial Reconstruction Corporation of India, Limited, Calcutta.
 7. Shri R. Das, Management Accountant, Braithwaite and Company (India) Limited, Calcutta.
 8. Shri A. K. Srivastava, Superintendent, Mechanical Workshop (Carriage and Wagons), Eastern Railways, Calcutta.
 9. Shri M. P. Rajagopalan, Senior Cost Accounts Officer, Ministry of Finance (Department of Expenditure), New Delhi
 10. Shri A. N. Roy, Regional Labour Commissioner (Central), Calcutta.
2. The above body shall submit its report within a period of eight weeks from the date of publication of this Order in the Official Gazette.

[No. 2(21)/72-CUC.]

K. S. BHATNAGAR, Jt. Secy.

श्रीयोगिक विकास मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 1972

कांस्या० 722(भ) / 15/प्राई० डी० प्रार० ए०/72.—यतः मैसर्स बन्न एण्ड कंपनी, लिमिटेड, कनकाना नामक श्रीयोगिक उपक्रम प्रनुसूचित उद्योगों अर्थात् धातुकर्मक और परिवहन उद्योगों में लगा है; और यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि श्रीयोगिक उपक्रम का प्रबन्ध इस रूप में चलाया जा रहा है जो संबंधित अनुसूचित उद्योगों और सोक हित के लिए अत्यन्त हानिकर है;

अतः अब उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस मामले की परिस्थितियों में पूरी तरह से अध्येषण करने के प्रयोजनार्थ एतद्वारा एक निकाय नियुक्त करती है जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति होंगे—

प्रथम

1. श्री आर० क० सर्ठी।

प्रबन्ध निदेशक,

गान्धीय श्रीयोगिक विकास निगम, लिमिटेड,

नई दिल्ली । मदस्य

2. श्री ए० बोम,

विशेष अधिकारी प्रबन्ध पदन सचिव,

बंद और अव्यवस्थित उद्योग विभाग,

उत्तिव्रम बंगाल सरकार,

कम्पकना।

3. श्री मुजीब बनर्जी,

उप सचिव,

इम्पोत और खान मवालय,

(इस्पात विभाग),

नई दिल्ली।

संख्या

4. श्री एस० मजुमदार,
ओद्योगिक सलहाकार,
तकनीकी विकास का महानिदेशालय,
नई दिल्ली ।
 5. श्री ए० एस० नाणिया,
मुख्य विपणन प्रबन्धक,
परियोजना और उपस्कर निगम, लिमिटेड,
नई दिल्ली ।
 6. श्री बी० जी० राय,
तकनीकी सलाहकार,
भारत का ओद्योगिक पुनर्गठन निगम लिमिटेड,
कलकत्ता ।
 7. श्री आर० दास,
प्रबन्ध लेखापाल,
ब्रेथवेट एण्ड कॉफनी (इंडिया) लिमिटेड,
कलकत्ता ।
 8. श्री ए० के० श्रीधार्मनंद,
श्रीधीक्षक,
मशीन वर्कशाप (कॉरियेज और बेगन्स),
पूर्वी रेलवे,
कलकत्ता ।
 9. श्री एम० पी० राजगोपालन,
जेयेल लागत लेखा अधिकारी,
वित्त मंत्रालय,
(व्यव विभाग),
नई दिल्ली ।
 10. श्री ए० एन० राय,
प्रादेशिक अम ग्राम्यकल्प (केंद्रीय),
कलकत्ता ।
- 2 उक्त निकाय इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से श्राठ सम्बाह के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत होंगा ।

[सं० 2/21/72-सी० य० सी०]
के० एम० भट्टाचार, संयक्त सचिव ।

